भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3189

जिसका उत्तर 11 मार्च, 2026 को दिया जाना है ।

20 फाल्गुन, 1947 (शक)

टियर 3 एज डेटा सेंटर की स्थापना

3189. श्री सागर ईश्वर खंड्रेः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा प्रस्तावित डेटा सेंटर आर्थिक क्षेत्र ढांचे के अंतर्गत महाराष्ट्र-तेलंगाना-कर्नाटक गलियारे पर जिले की रणनीतिक स्थिति को देखते हुए कर्नाटक के बीदर जिले में टियर-3 एज डेटा सेंटर या डेटा केंद्र स्थापित करने पर विचार करने की संभावना है;

(ख) क्या सरकार का बीदर को डिजिटल इंडिया फ्यूचर स्किल्स 'प्राइम' पहल के अगले चरण में शामिल करने का विचार है ताकि कृत्रिम मेधा, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके; और

(ग) यदि हाँ, तो प्रस्तावित कार्यान्वयन योजना और संस्थागत सहायता क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(ग):** भारत में डाटा सेंटर उद्योग स्थिर गति से बढ़ रहा है। देश में वर्तमान डेटा सेंटर की क्षमता 2020 में 375 मेगावाट से बढ़कर 2025 तक लगभग 1500 मेगावाट हो गई है।

भारत में डेटा सेंटर मुख्य रूप से इस क्षेत्र की पेशेवर कंपनियों द्वारा विकसित, स्वामित्व में हैं और संचालित किए जाते हैं।कंपनियां डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए स्थानों का चयन करने से पहले मांग अनुमान, परिचालन व्यय, बिजली की उपलब्धता, कुशल जनशक्ति और दीर्घकालिक व्यावसायिक व्यवहार्यता जैसे कारकों का मूल्यांकन करती हैं।

व्यावसायिक मांग के आधार पर, उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थानों पर डेटा सेंटर स्थापित किए जाते हैं। डेटा सेंटरों की टियर रेटिंग पेशेवर रूप से प्रशासित प्रमाणन तंत्र द्वारा नियंत्रित होती है, और इस तरह के प्रमाणन को प्राप्त करने का निर्णय डेटा सेंटर डेवलपर्स पर निर्भर करता है।

भारत सरकार के पास डेटा सेंटर आर्थिक क्षेत्र बनाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

फ्यूचरस्किल्स प्राइम प्रोग्राम

यह इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) और नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) की एक सहयोगी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत को एक अत्याधुनिक डिजिटल प्रतिभा राष्ट्र बनाना है।

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), बिग डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटीएस, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन, एआर/वीआर आदि जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग हैं।

इस कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम वास्तविक रोजगार आवश्यकताओं के अनुरूप उद्योग के परामर्श से विकसित किए गए हैं। पाठ्यक्रम की जानकारी और पंजीकरण की सुविधा https://futureskillsprime.in पर ऑनलाइन उपलब्ध है_।

फ्यूचर स्किल्स प्राइम पोर्टल पर लगभग 27.53 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें से 17.24 लाख से अधिक अभ्यर्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित/प्रशिक्षित हैं। इस संख्या में कर्नाटक राज्य के 1.82 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हैं, जबकि बीदर जिले के 900 से अधिक अभ्यर्थी शामिल हैं।

*****